## जनवाचन आंदोलन

जन वाचन आंदोलन का मकसद है। किताबों को गाँव-गाँव ले जाना, इन किताबों को नवपाठकों के बीच पढ़कर सुनाना और पढ़वाकर सुनना। गाँव की जनता के पास आज भी पढ़ने-लिखने के लिए स्तरीय किताबें नहीं हैं और जो हैं भी वे बेहद महँगी हैं। भारत ज्ञान विज्ञान समिति ग्रामीण जन तक कम कीमत और सरल भाषा में देशभर के मशहूर लेखकों की किताबें पहुँचाना चाहती है, ताकि गाँव-गाँव में जन वाचन, पढ़ाई और पुस्तकालय संस्कृति पैदा हो सके। संपूर्ण साक्षरता अभियान से जो नवपाठक निकलकर सामने आए हैं, वे अपने साक्षरता के अर्जित कौशल को बनाए रख सकें, उनके सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का स्तर बढ़े और वे जागरूक होकर अपने बुनियादी हकों की लड़ाई के लिए लामबंद हो सकें, यह इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य है। भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए गाँव के लोग आगे आएँ, इसके लिए भी इस तरह की चेतना का विकास जरूरी है। साक्षरता केवल अक्षर सीखने का काम नहीं है, यह पूरी दुनिया को जानने का काम है।

**भारत ज्ञान विज्ञान समिति**

मूल्य : 6 रुपये

# आओ बात करें

रिज़वान ज़हीर उस्मान

**भारत ज्ञान विज्ञान समिति**

**छात्र –** हम बालक
गुलदस्ता लाए
जनम दिवस पर आपके
बस्ता हल्का कर दो हमारा
जनम दिवस पर आपके।
भारी–भरकम बस्ता ढो कर
हो गए हम सब घोड़े
इतना सारा बोझा लेकर
घोड़ा कैसे दौड़े?
हो रामा घोड़ा कैसे दौड़े।

**( मंत्री क्रोध में चीख कर )**

**मंत्री –** भारी रहेगा सबका बस्ता
नहीं चाहिए गुलदस्ता।

**गुलदस्ता छीन कर फेंक देता है।**
**बच्चे रोते हुए जाते हैं।**
**गाँव की बालिकाओं का जत्था फूलों के साथ।**

**बालिकाएँ –** जनम दिवस पर आपके



गाँव में हो स्कूल
अनपढ़ जीवन ऐसा मानो
मुर्झाया सा फूल।
हम भी जानें,
क्या होता है
जीने का अधिकार
कैसा हो आकाश हमारा
क्या है उसमें सार।
हमें भी दे–दो जनम दिवस पर
शिक्षा का अधिकार

**आओ बात करें : रिज़वान ज़हीर उस्मान**
*Aao Baat Karain: Rizwan Zahir Usman*

नवपाठकों के लिए भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा प्रकाशित

© सर्वाधिकार सुरक्षित
भारत ज्ञान विज्ञान समिति

पुस्तकमाला संपादक: असद ज़ैदी और विष्णु नागर
कार्यकारी संपादक: संजय कुमार
*Series Editor : Asad Zaidi and Vishnu Nagar*
*Executive Editor : Sanjay Kumar*

रेखांकन: शरद
लेजर ग्राफिक्स: अभय कुमार झा

प्रकाशन वर्ष: 1997, 1999, 2003, 2006

*इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा देशभर में चलाए जा रहे जन वाचन आंदोलन के तहत किया गया है ताकि लोगों में पढ़ने-लिखने की आदत पैदा हो सके। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गांव के पाठकों को सस्ती और सरल भाषा में देश के मशहूर रचनाकर्मियों द्वारा लिखी गई उत्कृष्ट पुस्तकें उपलब्ध करवाना है। खासकर उन नवपाठकों के लिए जो देशभर में चलाए गए संपूर्ण साक्षरता अभियान से निकलकर सामने आए हैं।*

**मूल्य: 6 रुपये**

*Published by* ***Bharat Gyan Vigyan Samithi****, Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block, Saket , New Delhi - 110017, Phone : 011 - 26569943, Fax : 91 - 011 - 26569773,*
**email: bgvs@vsnl.net**

# आओ बात करें

रिज़वान ज़हीर उस्मान

# आओ बात करें

**मंच :** चौपाल,
कुछ कलाकार।

**वेशभूषा :** नाटक की कहानी के पात्रों जैसी।
ढोलक या नगाड़े पर नाचते–गाते दो गायक।

**गायक –** बात करें
आओ बात करें
इक दूजे से बात करें

**( नाचते हैं, गाते हैं )**

**गायक –** बात करें
एक दूजे से बात करें
जीवन से इक कथा उठा कर
नाटक सारी रात करें
हम बात करें
दिन तो काटा रोते–रोते
आओ काली रात करें

हम बात करें

**( नाचते हैं, गाते हैं )**

**गायक –** हम बात करें
आघात करें
इक दूजे से घात करें
हम बात करें

**( दो लड़कियाँ गाकर )**

**लड़कियाँ** – जैसे-जैसे बढ़ता है
वैसे ही घटता है चाँद
चाँद की उपमा लेकर आओ,
हम जीवन की बात करें।
दिन बीता है बातें करते
आओ काली रात करें

**गायक** – बात करें
इक दूजे से बात करें
जीवन से इक कथा उठा कर
नाटक सारी रात करें।

**( दोहा )**

**गायक** – मंत्री के जीवन में मंत्री
कभी नहीं हँसता था
रोज नये नाटक करता था
सबके सुख हरता था।
बड़ा घमंडी मंत्री था वह
कैसे उसकी बात करें
हम बात करें।

**( नाचते हैं, गाते हैं )**

**गायक** – जनम दिवस था मंत्री का
और मंत्री बड़ा उदास
सब हँसते गाते थे चमचे
मंत्री बड़ा उदास
चेहरा काले नाग सा काला
मन में कपट का वास
झूठी चालें चलने वाला
कैसी सच की आस
बड़ा कमीना मंत्री था वह

किस मुँह उसकी बात करें
हम बात करें
एक दूजे से घात करें
दिन बीता है बातें करते,
आओ काली रात करें।

**( राजा का प्रवेश )**
**स्वागत करती नाचती नर्तकी**

**गायक** – उस नगरी का राजा सनकी
गिरगिट सा रंग पलटे
पलक झपकते बात बदलते
बाँस बनारस उल्टे
बाँस बनारस उल्टे रामा
बाँस बनारस उल्टे।

**राजा** – अच्छी नर्तकी। बढ़िया नाचती है। सुंदर मुख से सुंदर-सुंदर गाती है। फाँसी पर लटका दूँ तो कैसी सुंदर मनभावन लगे।

**( ताली बजाकर )**

**राजा** – सिपाहियो

**( सिपाही आते हैं )**

**राजा** – ज़रा बताओ लटका कर
फाँसी पर सुंदरता
देखें सुंदरता को मरते
सुंदरता की बात करें।

**( नाचता है राजा )**

**गायक** – बात करें
हम बात करें
इक राजा की बात करें
गिरगिट सा रंग पलटे राजा
रंगों की बरसात करें
हम बात करें
इक दूजे से घात करें
इक राजा की बात करें
रंगों की बरसात करें।

**राजा** – फाँसी पर लटका दूँगा
लंबी गरदन कर दूँगा
जो कोई टेढ़ा नाचेगा
उसको सीधा कर दूँगा।

**नर्तकी** – दुहाई हो महाराज– मेरे छोटे–छोटे मासूम बच्चों का क्या होगा ? वे तड़प–तड़प कर मर जाएँगे। मुझे छोड़ दें राजा जी।

**राजा** – तुझे छोड़ दूँ
अपने नियम तोड़ दूँ?
क्यों न तेरे साथ
तेरे बच्चों को जोड़ दूँ?
ले जाओ इसके साथ इसके बच्चों को
नाचना भुला दूँगा मैं अच्छे–अच्छों को



**( सिपाही नर्तकी को ले जाते हैं )**

**राजा – नाचकर**

माता बेटे गये काम से
मैं भी काम से जाता हूँ
थोड़ी सी दारू पी कर के
फिर वापस मैं आता हूँ।

**( प्रस्थान करता है राजा )**

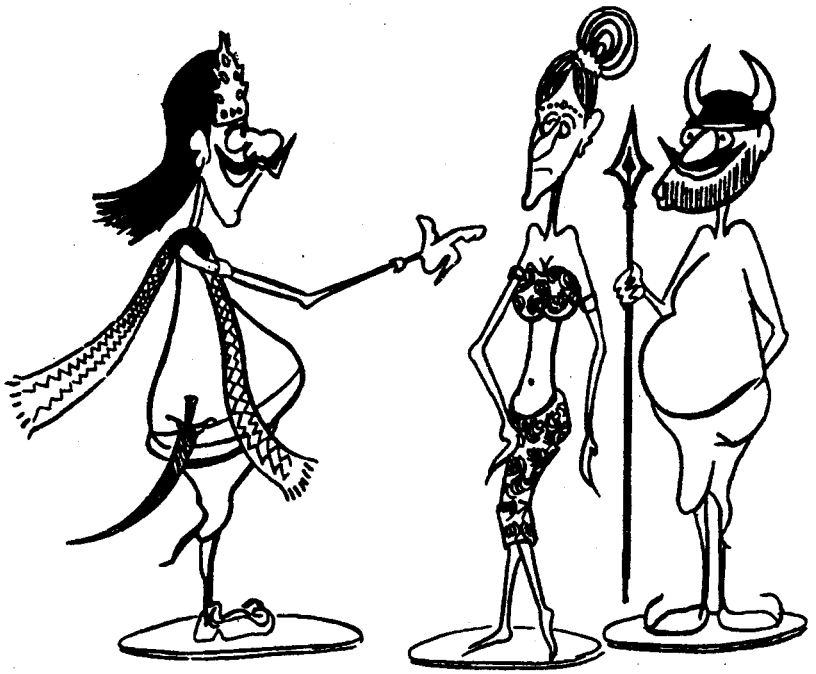

**गायक** – राजा जाए
मंत्री आए
सिक्के के दो पहलू
खोटे सिक्कों के शासन में
खरी–खरी हम बात करें
हम बात करें ....।

**( मंत्री का प्रवेश )**

**गायक** – जनम दिवस है मंत्री का
और मंत्री बड़ा उदास
सब चमचे हँसते गाते थे
मंत्री ना ले सांस
हो रामा मंत्री ना ले सांस

**( मंत्री से )**

**गायक** – जनम दिवस पर आपने
खुल कर हँसिये आप
जनम दिवस है भेंट प्रभु की
इसे ना जानो पाप
इसे ना जानो पाप
हो रामा
इसे ना जानो पाप।

**मंत्री** – बंद करो बकवास।

**( क्रूर अट्टहास करते हुए )**

**गायक** – जनम दिवस पर अपने कोई
जो हँसना ना जाने
वह क्या जाने भेद हँसी का
जो बस रोना जाने।
हँसी–खुशी की सभा में आकर
क्यों रोने की बात करें
बात करें

घात करें

**गायक** – ऐसा मंत्री कभी ना जन्मा
कभी ना जन्मा जो रामा
जनम दिवस पर उदास बैठा
क्या है मन मा हो रामा ?

**मंत्री का हँसना जैसे कुत्ते का भौंकना और प्रस्थान करना**

**( राजा का प्रवेश )**

**गायक** – जनम दिवस है मंत्री का
खुशखबरी महाराज
तोहफा लेकर जाना है
घर मंत्री के आज।

**राजा** – दावत खाने जाऊँगा
तोहफे भी ले जाऊँगा
खुशी के इस अवसर पर आओ
ताक धिना धिन साथ करें

**( नाचता है )**

**राजा** – क्या ले जाऊँ तोहफा रामा
क्या ले जाऊँ तोहफा
कोई सुझाओ हमको तोहफा
क्या ले जाऊँ तोहफा ?



**( सोचता है। खुश होकर )**

**राजा** – आ गया तोहफा समझ में। जाओ–यह फरमान–ऐलान कर दो–कह दो डंके की चोट पर–आज शाम को मंत्री को फाँसी पर लटका दिया जाए। यही है जनम दिन पर हमारा तोहफा।

**( गाकर )**

**राजा** – सुंदरता को लटकाया अब
मंत्री को भी लटकाओ
शाम को ही लटकाना है
अपनी–अपनी घड़ी मिलाओ
अपनी–अपनी घड़ी मिलाओ
घड़ी मिलाकर आओ सब जन
टिक–टिक–टिक शाम करे
घिन–धिन ताक धिना–धिन.
नाचे गाएँ धूम मचाएँ
गली–गली कोहराम करें
मंत्री को लटका कर फाँसी
घर जाकर आराम करें।

**कुछ छात्रों का प्रवेश। हाथों में फूलों के गुलदस्ते। मंत्री जी से भेंट करने आए हैं**

**छात्र** – हम बालक
गुलदस्ता लाए
जनम दिवस पर आपके
बस्ता हल्का कर दो हमारा
जनम दिवस पर आपके।
भारी–भरकम बस्ता ढो कर
हो गए हम सब घोड़े
इतना सारा बोझा लेकर
घोड़ा कैसे दौड़े?
हो रामा घोड़ा कैसे दौड़े।

**( मंत्री क्रोध में चीख कर )**

**मंत्री** – भारी रहेगा सबका बस्ता
नहीं चाहिए गुलदस्ता।

**गुलदस्ता छीन कर फेंक देता है।**
**बच्चे रोते हुए जाते हैं।**
**गाँव की बालिकाओं का जत्था फूलों के साथ।**

**बालिकाएँ** – जनम दिवस पर आपके



गाँव में हो स्कूल
अनपढ़ जीवन ऐसा मानो
मुर्झाया सा फूल।
हम भी जानें,
क्या होता है
जीने का अधिकार
कैसा हो आकाश हमारा
क्या है उसमें सार।
हमें भी दे–दो जनम दिवस पर
शिक्षा का अधिकार

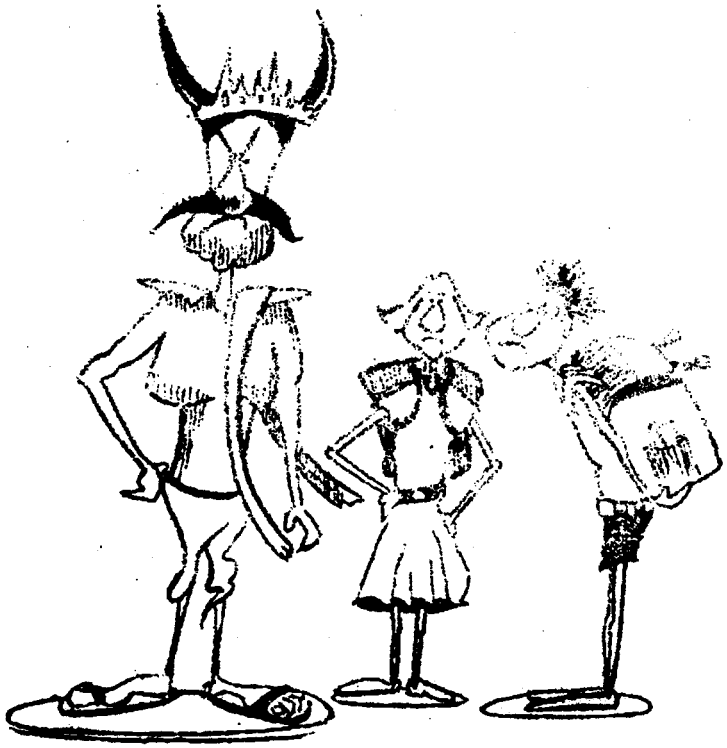

नन्हें-मुन्ने सपनों को
हम भी करें साकार।
क्या होते हैं
चाँद और सूरज
क्या होते हैं हो रामा।
क्या होते हैं
धरती-अम्बर
चाँद और सूरज हो रामा?
कैसे चिड़िया गाना गाए
हम भी जानें हो रामा
हम भी जानें भूख से लड़ना
भूख से लड़ना हो रामा
हम भी जानें आगे बढ़ना
आगे बढ़ना हो रामा।
ऊँचा-नीचा क्या होता है
क्या है छोटा-मोटा
कौन है सोने जैसा मानव
कौन खरा और खोटा?
कौन है गांधी, नेहरू जानें
कौन भगत सिंह जानें
कैसे जानें हम यह सारा
जो ना अक्षर जानें



हो रामा जो ना अक्षर जाने।

**सिपाही** - मैने तो रोका
बहुत टोका
परन्तु मानते ही नहीं। कहते हैं-मंत्री जी का जनम दिन है। गाँवों में साक्षरता का श्रीगणेश करो।

**मंत्री** - शिक्षा ऊँचों की पूंजी है

तुम क्या जानो नीचो
कैसे चलता राजकाज यह
तुम क्या जानो नीचो
जाओ जाकर काम करो
और नंगे रहना सीखो
खेतों में खुशहाली लाकर
भूखे रहना सीखो
हटाओ यह भूखी नंगी रोती गिड़गिड़ाती निरक्षरों की
भीड़। भीड़ से हमें हैं चिढ़।

**सिपाही बालिकाओं को धकेलता है। बालक शिक्षा हमारा अधिकार है का नारा लगाते प्रस्थान करते हैं**

**( राजा का फरमान लेकर फरमान वाला आता है। )**

**फरमानवाला** – जनम दिवस पर मंत्री जी के
भेजा राजा ने फरमान
कोई नहीं है बहरा तो
सुने लगा कर कान

**( मंत्री का प्रस्थान )**

**मंत्री की बहन और राजा की रानी विलाप करती आती हैं**



**रानी** – यह क्या सुन रही हूँ। जनम दिन पर महाराज
मंत्री को फाँसी पर लटका रहे हैं ? अपने साले
को फाँसी पर लटका रहे हैं ?

**( राजा )**

**राजा** – साला मंत्री है तो क्या हुआ
जैसे पेड़ खजूर
मेरी सत्ता की बगिया के
खट्टे हैं अंगूर।
छोड़ो यह बेकार की बातें
आओ प्रेमालाप करें

**गायक** – बात करें
कथा उठा कर जीवन से
नाटक सारी रात करें
हम बात करें।

**फरमानवाला**– फरमान में राजा ने लिखवाया
जीवन है अनमोल
कदम–कदम पर खतरा है
यह राजा के बोल।

**गायक** – हो रामा
यह राजा के बोल।

**फरमानवाला**– जनम दिवस पर

बधाई मेरी
तुम मंत्री अनमोल
हीरा पन्ना तेरे आगे
हैं मिट्टी के मोल

**गायक–** हो रामा
हैं मिट्टी के मोल।

फरमानवाला– हमने तोहफे में दिया
मृत्युदंड उपहार
आज शाम को हो जाना है
तेरा बंटाधार।

**( शेर )**

**मेरा उपहार ले जाना है तो तैयार हो जाओ**
**मिटा दो अपनी हस्ती की गुले गुलजार हो जाओ।**

**फरमान वाला जाता है। मंत्री की उदासी गहरी हो जाती है।**

**( उदास मंत्री मंच पर टहलता हुआ )**

**मंत्री –** (सिपाही से) मैं राजा से मिलना चाहता हूँ।
**सिपाही –** सोए हुऐ राजा को कौन उठाए?
**मंत्री –** कोई तो होगा, राजा को नींद से जगाने वाला।
**सिपाही –** कौन होगा राजा को उठानेवाला?
**मंत्री –** राजा को तो भगवान ही उठा सकता है।



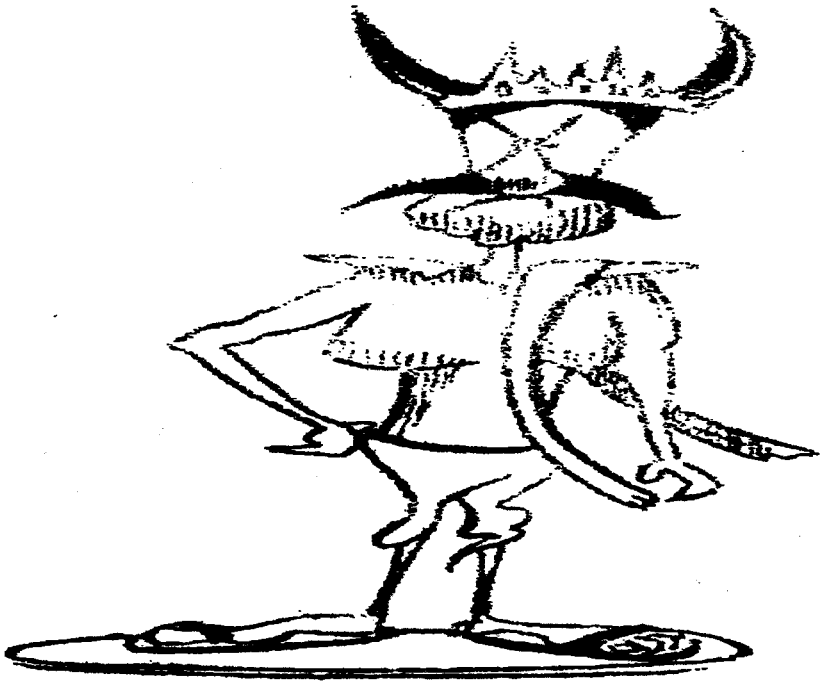

**सिपाही –** भगवान उठाता तो कब का उठा लेता।
**मंत्री –** अभागा है वह देश जिसका राजा सोया हुआ है।

**( मंत्री पलटता है। ठेकेदार का प्रस्थान )**

**ठेकेदार –** जनम दिवस पर हर बरस
दान में ठेके लेता हूँ

रेत और सीमेंट के बदले
भारी रिश्वत देता हूँ।

**मंत्री** - हमें आज फाँसी होने वाली है। आज हमारा अंतिम दिन है। फूटो यहाँ से।

**( मंत्री का चोंगा पकड़कर )**

**ठेकेदार** - ले के जाऊँगा भीख ठेके की तेरे दर से
दे-दे मुझे ठेका ना ठुकरा तेरे दर से
जनम दिन है तेरा
तेरा मूड दानी
मैं भिखारी हूँ तेरा
यही मेरी कहानी
क्योंकि

**( कव्वाली तर्ज में )**

हमारा मंत्री तू है
हमारा संत्री तू है
हमारा तू है दाता
तेरा है हमसे नाता
तू है रिश्वत का भूखा
और यह जीवन का धोका

**गायक** - और यह जीवन का धोका

**ठेकेदार** - तू बिगड़ी को बनाए
तू सिगड़ी को जलाए
जला कर हाथ तू तापे
तेरा क्या कहना पाये
तू भंगड़ा गाकर नाचे
तेरी ललचाई नजरें
तेरी इतराई नजरें
तेरी घबड़ाई नजरें
तेरी शरमाई नजरें

पैदा होना
युवा होना
और ना होना
इस जीवन में क्या-क्या होना
कब हँसना
कितना है रोना
भोजन करना
फिर मर जाना
लेकिन पहले पैदा होना।

**( मंत्री गायकों से )**

**मंत्री -** आज मैने जाना कि जीवन क्या है। चींटी का जीवन क्या है। हाथी का जीवन क्या है। आज मैंने जाना-कल सब जानें। आज मैंने जाना कोयल की कूक-मोर का नाच, चिड़िया की चहचहाहट, बच्चों का जीवन और बचपन। बुलाओ उन गाँव की बेटियों को, मैं भी गाँव से ही तो माँ की गोद से कूद कर इस मिट जाने वाले दृश्य में आया था।

**( बच्चे-बालिकाएं आते हैं )**

**बच्चे -** जनम दिन की बधाई मंत्री जी



**मंत्री -** जनम दिवस है मेरा
और नाच रहे हैं आप
मैं ना नाचूँ इस अवसर पर
यह तो घोर है पाप
जीवन का जो समय बचा है
उसमें नाचूँगा मैं आज
नाच-नाच कर मर जाऊँगा
पर ना छोड़ूँगा मैं नाच।

**( नाचता है )**

**मंत्री -** कभी हँसा ना जीवन में
आज हँसू भरपूर
आज अरथ जाना जीवन का
आज हूँ मैं पुरनूर

**बच्चे -** साँस-साँस में हँसी छिपी है
सांस-सांस इच्छाएँ
सांस-सांस है जीवन शिक्षा
शिक्षा को अपनाएँ

**मंत्री -** शाम तलक है जीवन मेरा
आओ नाचे गाएँ
सुबह से लेकर
शाम तलक हम
इक काया बन जाएँ

**( पुरनूर : रोशनी से भरा हुआ )**

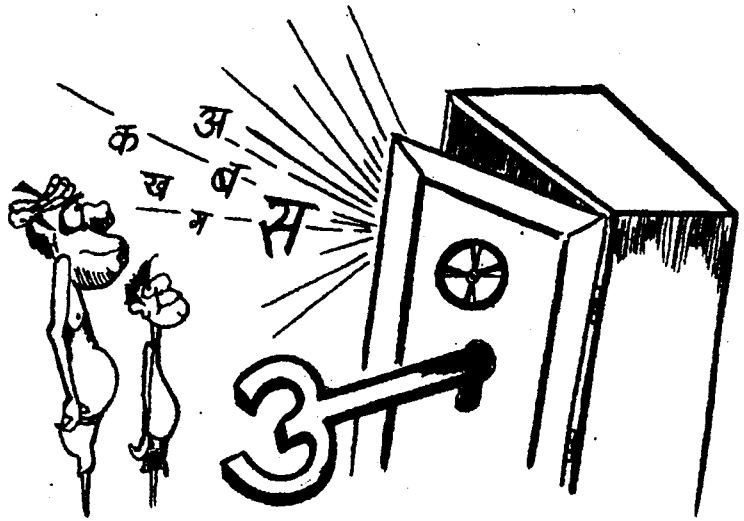


ताक धिना-धिन-धिन
धिना-धिना ताक धिना-धिन

**( राजा का प्रवेश )**

**राजा -** थोड़ी देर में मरनेवाला
नाच रहा है मंत्री
पता लगाओ इसकी खुशी
भेद यह लाओ संतरी।

**मंत्री -** फाँसी का तोहफा पाकर के
मैने जीवन पाया
नाचते गाते मर जाने का
मैंने राज है पाया।

**बच्चे -** चार दिवस की चाँदनी रातें
बाकी दिन अंधियारे हैं



लेकिन प्यार से देखें हम तो
यह पल कितने प्यारे हैं।

**सभी -** एक नगर में एक था राजा
काहे पुरानी बात करें

**बच्चे -** खेलेंगे कूदेंगे हँसेंगे
फिर पोथी लेकर बैठेंगे
क्यों बैठें हम अंधकार में
काहे तिमिर की बात करें

**गायक -** सुन लो दादा-दादी-नानी
सुनलो काका-काकी-भाभी
खुशहाली का ताला खोलें
अक्षर है इक चाभी।
तेरी मेरी उसकी छोड़ो।
खोलें मन के दरवाजे
खुशहाली है अपना साथी
दुख-सुख भी है अपना साथी
पीछे मुड़कर क्यों देखें हम
मंजिल है अपने आगे
सबके आँसू पोंछ के बैठे
दुख सुख की हम बात करें
बात करें
एक दूजे से बात करें

❑❑❑❑